भूगोल –कोड 029
अंकन योजना (संशोधित)
कक्षा -XII (2025 -26)

निर्धारित समय : 3 घण्टे **अधिकतम अंक :70**

सामान्य निर्देश:

निम्नलिखित निर्देशों को बहुत सावधानी से पढ़िए और उनका सख़्ती से पालन कीजिए:

1. इस प्रश्न-पत्र में 30 प्रश्न हैं। सभी प्रश्न अनिवार्य हैं ।
2. यह प्रश्न-पत्र पाँच खण्डों में विभाजित है - खण्ड क, ख, ग, घ एवं ङ ।
3. खण्ड क- प्रश्न संख्या 1 से 17 तक बहुविकल्पीय प्रश्न हैं, प्रत्येक प्रश्न एक अंक का है ।
4. खण्ड ख -प्रश्न संख्या 18 एवं 19 स्रोत आधारित प्रश्न हैं, प्रत्येक प्रश्न तीन अंक का है ।
5. खण्ड ग-प्रश्न संख्या 20 से 23 तक लघु-उत्तरीय प्रकार के प्रश्न हैं, प्रत्येक प्रश्न तीन अंक का है। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर 80 से 100 शब्दों में लिखा जाना चाहिए ।
6. खण्ड घ-प्रश्न संख्या 24 से 28 दीर्घ- उत्तरीय प्रकार के प्रश्न हैं, प्रत्येक प्रश्न पांच अंक का है। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर 120 से 150 शब्दों में लिखा जाना चाहिए ।
7. खण्ड ङ- प्रश्न संख्या 29 व 30 मानचित्र आधारित प्रश्न हैं, प्रत्येक प्रश्न पांच अंक का है ।
8. इसके अतिरिक्त, ध्यान दें कि दृष्टिबाधित अभ्यर्थियों के लिए, दृश्य आधारित प्रश्नों, मानचित्र आदि के स्थान पर एक अलग प्रश्न दिया गया है। ऐसे प्रश्न केवल दृष्टिबाधित अभ्यर्थियों द्वारा ही हल किए जाने हैं।
9. प्रश्न पत्र में कोई समग्र विकल्प नहीं दिया गया है। हालांकि, खंड A को छोड़कर सभी खंडों में कुछ प्रश्नों में आंतरिक विकल्प प्रदान किया गया है।

संख्या	अपेक्षित उत्तर /मूल्य बिंदु	अंक
	खंड-क	
1	B. 400 मिलियन **दृष्टि बाधित परीक्षार्थियों के लिए** C. एशिया	1
2	C. अवस्था-III : निम्न उतार चढ़ाव पूर्व संक्रमण। **दृष्टि बाधित परीक्षार्थियों के लिए** A. उच्च प्रजननशीलता व उच्च मर्त्यता।	1
3	D. पर्यावरणीय स्थिरता और सामाजिक समानता पर नीतियों को मजबूत करना।	1
4	B. (A) और (R) दोनों सत्य हैं लेकिन (R),(A) का सही स्पष्टीकरण नहीं है।	1
5	D. एक वैज्ञानिक जो अनुसंधान प्रयोगशाला में आनुवांशिक रूप से संशोधित फसलें विकसित कर रहा है।	1
6	B. 1-b, 2-a, 3-d, 4-c	1

7	B. विकासशील देशों में व्यापार प्रतिबंधों को कम करते हुए भौगोलिक निकटता और समान या पूरक व्यापारिक वस्तुएं रखने वाले देशों के बीच व्यापार को बढ़ावा देना।	1
8	C. 2013-14 और 2016-17 के बीच निर्यात में कोई महत्वपूर्ण बदलाव नहीं हुआ। **दृष्टि बाधित परीक्षार्थियों के लिए** D. भारत अब अधिक पेट्रोलियम आयात करता है क्योंकि इसका उपयोग ईंधन और उद्योगों में किया जाता है।	1
9	D. परिवार नियोजन के माध्यम से संतुलित जनसंख्या वृद्धि को बढ़ावा देना।	1
10	C. कार्यशील जनसंख्या पर आर्थिक दबाव।	1
11	D. 1960 के दशक के मध्य में गेहूँ (मैक्सिको) तथा चावल (फिलिपींस) की किस्में जो अधिक उत्पादन देने वाली नई किस्में थीं, कृषि के लिए उपलब्ध होना।	1
12	A. रिपोर्टिंग क्षेत्रफल के रूप में जो कृषि योग्य बंजर भूमि का प्रतिशत था,वह 8.0% से घटकर 4.0% हो गया।	1
13	B. केवल 2, 3, और 4	1
14	B. अटल भूजल योजना	1
15	A. (A) और (R) दोनों सत्य हैं और (R),(A) का सही स्पष्टीकरण है।	1
16	A. a-3, b-4, c-1, d-2	1
17	A. सक्षम नीतियों और प्रोत्साहनों के माध्यम से एयरलाइनों को क्षेत्रीय और दूरस्थ मार्गों पर उड़ानें संचालित करने के लिए प्रोत्साहित करना है।	1
	खंड-ख	
18	i. ग्रिफिथ टेलर ii. प्राकृतिक नियमों का अनुपालन करके मानव प्रकृति पर विजय प्राप्त कर सकता है। ● जब प्रकृति रूपांतरण की स्वीकृति दे तो वे अपने विकास के प्रयत्नों में आगे बढ़ सकते हैं। ● विकास उन सीमाओं में रहकर करना चाहिए, जो पर्यावरण को हानि न करे। (कोई एक, अन्य संबंधित बिंदु) iii. विकसित अर्थव्यवस्थाओं ने जो मुक्त गति अपनाने का प्रयास किया है, उसके परिणामस्वरूप, हरितगृह प्रभाव, ओजोन परत अवक्षय,भूमंडलीय तापन,पीछे हटती हिमनदियाँ, भूमि क्षरण हो रहा है।	1 +1+1= 3

19	i. HDI किसी देश के स्वास्थ्य, शिक्षा और संसाधनों तक पहुँच जैसे प्रमुख क्षेत्रों में निष्पादन के आधार पर उस देश के मानव विकास का मापन करता है। ii. दुनिया के आधे सबसे गरीब देश अभी भी अपने कोविड़-पूर्व संकट स्तर से नीचे बने हुए हैं। iii. स्विट्जरलैंड, नॉर्वे और आइसलैंड	1 +1+1= 3
	खंड-ग	
20	• बाह्यस्त्रोत के परिणामस्वरूप भारत चीन, पूर्वी यूरोप,फिलीपींस और कोस्टारिका में बड़ी संख्या में काल सेंटर खुले हैं। इससे इन देशों में नए रोजगार के अवसर उत्पन्न हुए हैं। • बाह्यस्रोत वाले देश अपने यहाँ काम तलाश कर रहे युवकों का प्रतिरोध झेल रहे हैं। • बाह्यस्त्रोत के बने रहने का मुख्य कारण तुलनात्मक लाभ है,जैसे यह उन देशों में आ रहा है जहाँ सस्ता और कुशल श्रम उपलब्ध है। • बाह्यस्रोत के द्वारा काम उपलब्ध होने पर इन देशों से उत्प्रवास कम होता है। • ज्ञान प्रकरण बाह्यस्त्रोत उद्योग व्यवसाय प्रक्रमण बाह्यस्रोत (बी.पी.ओ.) से भिन्न है क्योंकि इसमें उच्च कुशलकर्मी सम्मिलित होते हैं। (कोई तीन, अन्य संबंधित बिंदु)	3
21	• स्मार्ट नगरीय नियोजन को अपनाना। • सार्वजनिक परिवहन प्रणाली को बढ़ावा देना। • हरित अवसंरचना को लागू करना। • प्रदूषण का निवारण करना । • नवीकरणीय ऊर्जा स्रोतों तथा ऊर्जा दक्षता को बढ़ावा देना। (कोई तीन, अन्य संबंधित बिंदु)	3
22	• उच्चतर पार्किंग शुल्क • सामूहिक शीघ्र संचरण (MRT) • सार्वजनिक बस सेवाओं में सुधार • परिवहन के द्रुतमार्ग (कोई तीन व्याख्या सहित ,अन्य संबंधित बिंदु)	3
23	1951-81 के दशकों को भारत में जनसंख्या विस्फोट की अवधि के रूप में जाना जाता है,जो निम्न कारणों से हुआ था : • देश में मृत्यु दर में तीव्र गिरावट और जनसंख्या की उच्च प्रजनन दर के कारण हुआ । औसत वार्षिक वृद्धि दर 2.2 प्रतिशत तक ऊँची रही। • स्वतंत्रता प्राप्ति के बाद यही वह अवधि थी जिसमें एक केंद्रीकृत नियोजन प्रक्रिया के माध्यम से विकासात्मक कार्यों को आरंभ किया गया। अर्थव्यवस्था सुधरने लगी जिससे अधिकांश लोगों के जीवन की दशाओं में सुधार सुनिश्चित हुआ। परिणामस्वरूप जनसंख्या की प्राकृतिक वृद्धि उच्च और वृद्धि दर उच्चतर हुई। • इन सबके अतिरिक्त तिब्बत,पाकिस्तान,बांग्लादेश और नेपाल से देश में आने वाले अंतर्राष्ट्रीय प्रवासियो ने भी उच्च वृद्धि दर मे योगदान दिया। (कोई तीन, अन्य संबंधित बिंदु) **अथवा**	3

	- किशोर अर्थात् 10-19 वर्ष का आयु वर्ग। - भारत में जनसंख्या वृद्धि का एक महत्त्वपूर्ण पक्ष,वर्तमान में इनका अंश 20.9 प्रतिशत है (2011) जो भविष्य की कार्यशील जनसंख्या की अपार संभावनाओं को दर्शाता है। - समाज के समक्ष चुनौतियाँ : विवाह की निम्न आयु, निरक्षरता, विशेषत: स्त्री निरक्षरता, विद्यालय विरतछात्र, पोषकों की निम्न ग्राह्यता, किशोरी माताओं में उच्च मातृ मृत्यु दर, एच. आई. वी. / एड्स के संक्रमण की उच्च दरें, शारीरिक और मानसिक अपंगता अथवा मंदता, औषध दुरुपयोग और मदिरा सेवन किशोर अपचार और अपराध करना इत्यादि हैं।	
	खंड-घ	
24	- चलवासी पशुचारण एक प्राचीन जीवन निर्वाह व्यवसाय रहा है जिसमें पशुचारक अपने भोजन, वस्त्र, शरण, औजार एवं यातायात के लिए पशुओं पर ही निर्भर रहता था। - वे अपने पालतू पशुओं के साथ पानी एवं चरागाह की उपलब्धता एवं गुणवत्ता के अनुसार एक स्थान से दूसरे स्थान पर स्थानांतरित होते रहते थे। - इन पशुचारक वर्गों के अपने-अपने निश्चित चरागाह क्षेत्र होते थे। - भिन्न-भिन्न क्षेत्रों में कई प्रकार के पशु पाले जाते हैं। उष्णकटिबंधीय अफ्रीका में गाय-बैल प्रमुख पशु हैं, जबकि सहारा एवं एशिया के मरुस्थलों में भेड़, बकरी एवं ऊँट पाला जाता है तिब्बत एवं एंडीज के पर्वतीय भागों में यॉक व लामा एवं आर्कटिक और उप उत्तरी ध्रुवीय क्षेत्रों में रेडियर पाला जाता है - चलवासी पशुचारण के तीन प्रमुख क्षेत्र हैं। इसका प्रमुख क्षेत्र उत्तरी अफ्रीका के एटलांटिक तट से अरब प्रायद्वीप होता हुआ मंगोलिया एवं मध्य चीन तक फैला है। दूसरा क्षेत्र यूरोप तथा एशिया के टुंड्रा प्रदेश में है जबकि तीसरा क्षेत्र दक्षिणी गोलार्द्ध में दक्षिणी पश्चिमी अफ्रीका एवं मेडागास्कर द्वीप पर है - गर्मियों में मैदानी भाग से पर्वतीय चरागाह की ओर एवं शीत में पर्वतीय भाग से मैदानी चरागाहों की ओर प्रवास करते हैं। इनकी इस गतिविधि को ऋतुप्रवास कहा जाता है। - भारत में हिमालय के पर्वतीय क्षेत्रों में गुज्जर, बकरवाल, गद्दी एवं भूटिया लोगों के समूह ग्रीष्मकाल में मैदानी क्षेत्रों से पर्वतीय क्षेत्रों में चले जाते हैं एवं शीतकाल में पर्वतीय क्षेत्रों से मैदानी क्षेत्र में आ जाते हैं। इसी प्रकार टुंड्रा प्रदेश में ग्रीष्म काल में दक्षिण से उत्तर की ओर एवं शीत में उत्तर से दक्षिण की ओर चलवासी पशुचारकों का पशुओं के साथ प्रवास होता है। (कोई पाँच,अन्य संबंधित बिंदु) **अथवा** **खनन कार्य को प्रभावित करने वाले कारक** i. भौतिक कारक जिनमें खनिज निक्षेपों के आकार, श्रेणी एवं उपस्थिति की अवस्था को सम्मिलित करते है। ii. आर्थिक कारक जिनमें खनिज की माँग, विद्यमान तकनीकी ज्ञान एवं उसका उपयोग, अवसंरचना के विकास के लिए उपलब्ध पूँजी एवं यातायात व श्रम पर होने वाला व्यय आता है। **खनन के आर्थिक और सामाजिक प्रभाव** - विकसित अर्थव्यवस्था वाले देश उत्पादन की खनन, प्रसंस्करण एवं शोधन कार्य से पीछे हट रहे हैं क्योंकि इसमें श्रमिक लागत अधिक आने लगी है।	5 2+3=5

	• जबकि विकासशील देश अपने विशाल श्रमिक शक्ति के बल पर अपने देशवासियों के ऊँचे रहन-सहन को बनाए रखने के लिए खनन कार्य को महत्त्व दे रहे हैं। • अफ्रीका के कई देश दक्षिण अमेरिका के कुछ देश एवं एशिया में आय के साधनों का पचास प्रतिशत तक खनन कार्य से प्राप्त होता है।	
25	छोटे पैमाने के उद्योगों के विकास के लाभ • रोजगार के अवसर • रहन-सहन की दशाओ मे सुधार • क्रय शक्ति में वृद्धि • संतुलित क्षेत्रीय विकास • कौशल विकास में सहायक (कोई तीन व्याख्या सहित, अन्य संबंधित बिंदु) ऐसे उच्च प्रौद्योगिकी उद्योग जो प्रादेशिक संकेंद्रित हैं, आत्मनिर्भर एवं उच्च विशिष्टता लिए होते हैं उन्हें प्रौद्योगिक ध्रुव कहा जाता है। सेन फ्रांसिस्को के समीप सिलीकन घाटी एवं सियटल के समीप सिलीकन वन प्रौद्योगिक ध्रुव के अच्छे उदाहरण हैं। **अथवा** **उद्योगों की स्थिति को प्रभावित करने वाले कारक** 1. **बाज़ार तक अभिगम्यता** उद्योगों की स्थापना में सबसे प्रमुख कारक उसके द्वारा उत्पादित माल के लिए उपलब्ध बाज़ार का होना है। बाज़ार से तात्पर्य उस क्षेत्र में तैयार वस्तुओं की माँग एवं वहाँ के निवासियों में खरीदने की क्षमता (क्रय शक्ति) है। दूरस्थ क्षेत्र जहाँ कम जनसंख्या निवास करती है छोटे बाजारों से युक्त होते हैं। यूरोप,उत्तरी अमेरिका, जापान एवं आस्ट्रेलिया के क्षेत्र वृहद् वैश्विक बाजार हैं, क्योंकि इन प्रदेशों के लोगों की क्रय क्षमता अधिक है। दक्षिणी एवं दक्षिणी पूर्वी एशिया के घने बसे प्रदेश भी वृहद् बाजार उपलब्ध कराते हैं। कुछ उद्योगों का व्यापक बाजार होता है, जैसे: वायुयान निर्माण एवं शस्त्र निर्माण उद्योग। 2. **कच्चे माल की प्राप्ति तक अभिगम्यता** उद्योग के लिए कच्चा माल अपेक्षाकृत सस्ता एवं सरलता से परिवहन योग्य होना चाहिए। भारी वजन, सस्ते मूल्य एवं वजन घटने वाले पदार्थों (अवस्क) पर आधारित उद्योग कच्चे माल के स्रोत स्थल के समीप ही स्थित हैं जैसे इस्पात, चीनी एवं सीमेंट उद्योग। कच्चे माल के स्रोतों के समीप स्थापित उद्योगों के लिए पदार्थ की शीघ्र नष्टशीलता एक अनिवार्य कारक है। कृषि प्रसंस्करण एवं डेरी उत्पाद क्रमशः कृषि उत्पादन क्षेत्रों अथवा दुग्ध आपूर्ति स्रोतों के समीप ही संसाधित किए जाते हैं। 3. **श्रम आपूर्ति तक अभिगम्यता** उद्योगों की अवस्थिति में श्रम एक प्रमुख कारक है। बढ़ते हुए यंत्रीकरण, स्वचलन एवं औद्योगिक प्रक्रिया के लचीलेपन ने उद्योगों में श्रमिकों पर निर्भरता को कम किया है, फिर भी कुछ प्रकार के उद्योगों में अब भी कुशल श्रमिकों की आवश्यकता होती है। 4. **शक्ति के साधनों तक अभिगम्यता**	3+2=5 5

	वे उद्योग जिनमें अधिक शक्ति की आवश्कता होती है वे ऊर्जा के स्रोतों के समीप लगाए जाते हैं, जैसे एल्यूमिनियम उद्योग। प्राचीन समय में कोयला प्रमुख शक्ति का साधन था पर आजकल जल विद्‌युत एव खनिज तेल भी कई उद्योगों के लिए शक्ति का महत्त्वपूर्ण साधन है। 5. **परिवहन एवं संचार की सुविधाओं तक अभिगम्यता** कच्चे माल को कारखाने तक लाने के लिए और परिष्कृत सामग्री को बाजार तक पहुँचने के लिए तीव्र और सक्षम परिवहन सुविधाएँ औद्योगिक विकास के लिए अत्यावश्यक हैं। परिवहन लागत किसी औद्योगिक इकाई की अवस्थिति को निश्चित करने में महत्त्वपूर्ण कारक हैं। पश्चिमी यूरोप एवं उत्तरी अमेरिका के पूर्वी भागों में अत्यधिक परिवहन तंत्र विकसित होने के कारण सदैव इन क्षेत्रों में उद्योगों का संकेंद्रण हुआ है। आधुनिक उद्योग अपृथक्करणीय ढंग से परिवहन तंत्र से जुड़े हैं। परिवहनीयता में सुधार समाकलित आर्थिक विकासऔर विनिर्माण की प्रादेशिक विशिष्टता को बढ़ाता है। उद्योगों हेतु सूचनाओं के आदान-प्रदान एवं प्रबंधन के लिए संचार की भी महत्त्वपूर्ण आवश्यकता होती है। 6. **सरकारी नीति** संतुलित आर्थिक विकास हेतु सरकार प्रादेशिक नीति अपनाती है जिसके अंतर्गत विशिष्ट क्षेत्रों में उद्योगों की स्थापना की जाती है। (कोई पाँच ,अन्य संबंधित बिंदु)	
26	झुग्गी-झोपड़ियाँ न्यूनतम वांछित आवासीय क्षेत्र होते हैं जहाँ निम्न समस्याएँ होती है : • जीर्ण-शीर्ण मकान • स्वास्थ्य की निम्न सुविधाएँ • खुली हवा का अभाव • पेयजल, प्रकाश तथा शौच सुविधाओं जैसी आधारभूत आवश्यक चीज़ों का अभाव पाया जाता है। • खुले में शौच, अनियमित जल निकासी व्यवस्था • भीड़-भरी संकरी सड़कें • स्वास्थ्य तथा सामाजिक समस्याएँ हैं। (कोई तीन, अन्य संबंधित बिंदु) **प्रभाव** • ये लोग अल्प-पोषित होते हैं और इन्हें विभिन्न रोगों और बीमारियों की संभावना बनी रहती है। • ये लोग अपने बच्चों के लिए उचित शिक्षा का खर्च भी वहन नहीं कर सकते जिसके कारण गंदी बस्तियों के निवासियों के बच्चे स्कूली शिक्षा से वंचित रह जाते हैं। • गरीबी उन्हें नशीली दवाओं, शराब, अपराध, गुंडागर्दी, पलायन, उदासीनता और अंततः सामाजिक बहिष्कार के प्रति उन्मुख करती है। (कोई दो ,अन्य संबंधित बिंदु) **अथवा**	3+2=5

	• विभिन्न स्रोतों से उत्पन्न ध्वनि का मानव की सहनीय सीमा से अधिक तथा असहज होना ही ध्वनि प्रदूषण है।भारत के कई बड़े शहरों एवं महानगरों में ध्वनि प्रदूषण बहुत खतरनाक है। • ध्वनि प्रदूषण की तीव्रता प्रदूषण के स्रोत जैसे कि औद्योगिक क्षेत्र, परिवहन मार्ग, हवाई अड्डे इत्यादि मुख्यमार्ग से दूर कम होती जाती है जैसे समुद्री यातायात में शोर की तीव्रता माल को चढ़ाने व उतारने का निपटान करने वाले पत्तन तक अधिक सीमित रहती है। • विभिन्न प्रकार के प्रौद्योगिकीय अन्वेषणों के चलते हाल ही के वर्षों से यह एक गंभीर समस्या बनकर उभरा है। • ध्वनि प्रदूषण के प्रमुख स्रोत विविध उद्योग, मशीनीकृत निर्माण तथा तोड़-फोड़ कार्य तीव्रचालित मोटर वाहन और वायुयान इत्यादि हैं। • उद्योग भी ध्वनि प्रदूषण का कारण है जिसमें उद्योग के आधार पर तीव्रता भिन्न-भिन्न होती है। • ध्वनि प्रदूषण के सभी स्रोतों में से यातायात द्वारा पैदा किया गया शोर सबसे बड़ा क्लेश है। • इसकी तीव्रता और प्रकृति इन घटकों पर निर्भर करता है जैसे कि वायुयान / वाहन / रेलगाड़ी के प्रकार उन सड़कों की दशा तथा साथ-ही-साथ वाहन की स्थिति। • इनमें सायरन, लाउडस्पीकर, फेरी वाले तथा सामुदायिक गतिविधियों से जुड़े विभिन्न उत्सव संबंधी कार्यों से होने वाली आवधिक किंतु प्रदूषण करने वाले शोर को भी जोड़ा जा सकता है। (कोई पाँच ,अन्य संबंधित बिंदु)	5
27	भारत के अंतर्राष्ट्रीय व्यापार में वस्तुओं के संघटकों में समय के साथ निम्न बदलाव आए हैं : • निर्यात में कृषि एवं समवर्गी उत्पाद और विनिर्माण वस्तुओं की हिस्सेदारी में कमी आई है। • पेट्रोलियम एवं अपरिष्कृत उत्पाद और अन्य वस्तुओं की हिस्सेदारी में वृद्धि हुई है। • 2015-16 से 2021-22 तक के वर्षों में अयस्क और खनिजों की हिस्सेदारी काफी हद तक स्थिर रही है। • पारंपरिक वस्तुओं में गिरावट मुख्यतः कड़ी अंतर्राष्ट्रीय प्रतिस्पर्धा के कारण है। • कृषि उत्पादों में काजू आदि पारंपरिक वस्तुओं के निर्यात में गिरावट आई है, हालांकि फूलों की खेती से जुड़े उत्पाद, ताजे फल, समुद्री उत्पाद और चीनी आदि में वृद्धि दर्ज की गई है। • 2021-22 में भारत के कुल निर्यात मूल्य में अकेले विनिर्माण क्षेत्र की हिस्सेदारी 67.8 प्रतिशत थी। • भारत के विदेश व्यापार में मणि- रत्नों तथा आभूषणों की एक व्यापक हिस्सेदारी है। (कोई पाँच ,अन्य संबंधित बिंदु)	5
28	समन्वित जनजातीय विकास परियोजना के उद्देश्य :	5

- इस क्षेत्र विकास योजना का उद्देश्य गद्दियों के जीवन स्तर में सुधार करना।
- भरमौर तथा हिमाचल प्रदेश के अन्य भागों के बीच में विकास के स्तर में अंतर को कम करना।
- परिवहन तथा संचार कृषि और इससे संबंधित क्रियाओ तथा सामाजिक व सामुदायिक देश सेवाओं के विकास को सर्वाधिक प्राथमिकता दी जाये।
- विद्यालयों, जन स्वास्थ्य सुविधाओं, पेयजल, सड़कों, संचार और विद्युत के रूप में अवसंरचना का विकास करना है।
- कृषि का आधुनिकरण करना।
- साक्षरता दर में तेजी से वृद्धि हो।
- लिंग अनुपात में सुधार हो।
- बाल विवाह में कमी हो।

(कोई पाँच व्याख्या सहित)

अथवा

- कमान क्षेत्र में जल प्रबंधन नीति का कठोरता से कार्यान्वयन करना।
- इस क्षेत्र के शस्य प्रतिरूप में सामान्यतः जल सघन फ़सलों को नहीं बोया जाना चाहिए। इसका पालन करते हुए किसानों का बागाती कृषि के अंतर्गत खट्टे फलों की खेती करनी चाहिए।
- कमान क्षेत्र विकास कार्यक्रम जैसे नालों को पक्का करना, भूमि विकास तथा समतलन और वारबंदी (ओसरा) पद्धति प्रभावी रूप से कार्यान्वित की जाए ताकि बहते जल की क्षति मार्ग में कम हो सके।
- इस प्रकार जलाक्रांत एवं लवण से प्रभावित भूमि का पुनरूद्धार किया जाएगा।
- वनीकरण, वृक्षों का रक्षण मेखला का निर्माण और चरागाह विकास जो इस क्षेत्र के पारितंत्र-विकास के लिए अति आवश्यक है।

(अन्य संबंधित बिंदु)

खंड-ड़

29 मानचित्र पर आधारित।
कृप्या सलंग्न मानचित्र को देखिए। — 5

	A. हैम्बर्ग B. केपटाउन C. पनामा नहर D. अमेज़न बेसिन E. सेंटियागो F. व्लादिवोस्तोक G. डाउन्स (कोई पाँच) **दृष्टिबाधित विद्यार्थियों के लिए।** A. हैम्बर्ग B. केपटाउन C. राइन जलमार्ग D. ऐमज़ान बेसिन E. सेंटियागो / ब्यूनस आयर्स F. व्लादिवोस्तोक / सेंट पीटर्सबर्ग G. डाउन्स (कोई पाँच)	
30	मानचित्र पर आधारित A. मयूरभंज B. तूतीकोरिन C. जामनगर D. बिहार E. असम F. बेंगलुरु G. रानीगंज (कोई पाँच) 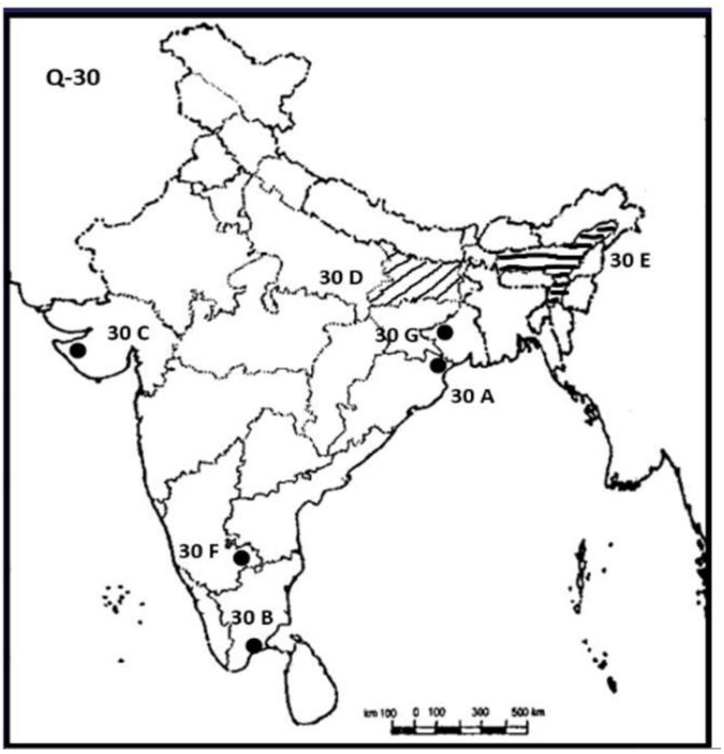	5

	दृष्टिबाधित विद्यार्थियों के लिए। A. मयूरभंज B. तूतीकोरिन C. जामनगर D. बिहार E. गुजरात F. बेंगलुरु G. रानीगंज (कोई पाँच)	